Media Release

Reliance
Industries Limited

रिलायन्स द्वारा जामनगर रिफाइनरी के आसपास के 16 गांवों में गौ सेवा का विशिष्ट अभियान

रु. 91 लाख के खर्च से गौशालाओं का निर्माण

कुल 2400 गायों के लिए चारा सहायता राशि में ग्रामजनों की ईच्छानुसार जबर्दस्त इजाफा

गायों के लिए घास-चारे की धनराशि वार्षिक रु. 48 लाख से बढ़ाकर रु. 70 लाख की गई

बीमार गायों की चिकित्सा हेतु जल्द ही पशु मोबाइल वॅन और पशु चिकित्सालय की योजना

- परिमल नथवाणी

जामनगर : सितम्बर 14, 2012 : रिलायन्स इण्डस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा अपने विश्व विख्यात रिफाइनरी परिसर के आसपास के गांवों में कई सालों से गौ सेवा की उदाहरण रूप गतिविधियां चल रही हैं। हाल ही में, कुछ गांवों के लोगों की भावनाओं की कद्र करते हुए कंपनी ने हर माह गायों के घास-चारे के लिए दी जानेवाली धनराशि में जबर्दस्त इजाफा किया गया है। इतना ही नहीं, इन गायों की चिकित्सा हेतु पशु मोबाइल वॅन और पशु चिकित्सालय की योजना बनाई जा रही है।

रिलायन्स इण्डस्ट्रीज के ग्रूप प्रेसिडेन्ट (कार्पोरेट अफेयर्स) श्री परिमल नथवाणी द्वारा इस विषय में दी गई जानकारी के मुताबिक रिलायन्स रिफाइनरी के इर्दगिर्द 16 गांवों की गायों के लिए घास-चारे के बजट में वर्ष 2012-13 से भारी बढ़ोतरी की गई है। इसके लिए वार्षिक रु. 48 लाख का बजट बढ़ाकर अब रु. 70 लाख वार्षिक किया गया है। कम्पनी के इस फैसले का गांव के सरपंचों एवम् गांव के लोगों ने प्रसन्नतापूर्वक स्वागत किया है। कम्पनी द्वारा मोटी खावडी, पडाणा, मेघपर, सिक्का, गागवा, नानी खावड़ी, पीपली, कानालुस, डेरा चिकारी, नवाणिया, शापर, आरबलुस, मेघनुं गाम, नवागाम, काना चिकारी और सेतालुस नामक इन 16 गांवों की कुल 2410 गायों के लिए हर महीने घास-चारे का इन्तजाम किया जा रहा है।

Refinery Division: Village Meghpar/Padana, Taluka Lalpur, Dist. Jamnagar, Gujarat -361 280
Phone : +91-288-2321065, Fax : +-91-288-2321098

श्री नथवाणी ने बताया कि रिलायन्स के स्थापक अध्यक्ष महान उद्योगपति धीरूभाई अम्बाणी के वैष्णवी संस्कारों से प्रेरित होकर जामनगर रिफाइनरी के निर्माण के दौरान वर्ष 1998 में मोटी खावड़ी, नानी खावड़ी, मेघपर, पडाणा, गागवा और सिक्का इन छः गांवों के लिए शुरू किए गए इस अभियान में धीरे धीरे रिलायन्स के विस्तरण एवम् विकास के साथ अन्य गांवों को भी सम्मिलित किया गया।

आपने कहा कि कम्पनी ने वर्ष 1995-96 में मोटी खावड़ी व सिक्का, वर्ष 1996-97 में नानी खावड़ी, पडाणा व मेघपर तथा वर्ष 2007-08 में कानालूस व डेरा चिकारी गौशालाओं का निर्माण और नानी खावड़ी गौशाला का जीर्णोद्धार करवाया था। इसके लिए रु. 91.30 लाख का कुल खर्च कम्पनीने किया। रिलायन्स की बनाई गौशालाओं में खुलापन, कुदरती वायु व प्रकाश व्यवस्था, घास-चारे का संग्रह-स्थान, गायों के लिए पानी पीने की अलग जगह और बैल के लिए विशेष व्यवस्था रहती है। इन गौशालाओं की चार-दीवारी भी बनाई जाती है। भगवान श्री कृष्ण का एक नाम गोपाल है जिसका अर्थ है जो गायों का लालन-पालन करता है वह। रिलायन्स निर्मित गौशालाओं के दरवाजों पर गायों के बीच घिरे बांसुरी-वादन करते श्रीकृष्ण की प्रतिकृतियां इन गौशालाओं को अधिक अर्थसभर एवम् कलात्मक बनाती हैं।

अब रिलायन्स इन गांवों की बीमार गायों के स्वास्थ्य के लिए कुछ नया करने के लिए कृतसंकल्प है। कम्पनी इन गायों को बीमारी में तत्काल चिकित्सा सुविधा कैसे मुहैया कराई जाए इसके बारे में सोच रही है। इस विषय में श्री नथवाणी ने बताया कि इन गांवोंमें से किसी जगह पर जल्द ही एक पशु चिकित्सालय और पशु मोबाइल वॅन की सुविधा विकसित की जाएगी। अगर कुछ अन्यथा न हुआ तो शीघ्र ही इसका कामकाज शुरू हो जाएगा ऐसी आशा की जाती है।

रिलायन्स जामनगर रिफाइनरी के आसपास के गांवों में गौ सेवा के अलावा भी कई अन्य सेवा कार्य हो रहे हैं। उस सूची में इन नई सुविधाएं जुड़ जाने की आशा में गांव के लोगों में अपने लिए हर्ष और कम्पनी के लिए आत्मीयता की भावना प्रबल हो रही है।

★ ★ ★